This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2842**

Unique Paper Code : **62051313** **HC**

Name of the Paper : **Hindi-B**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)—CBCS**

Semester : **III**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास का सामान्य परिचय दीजिये। 12

अथवा

हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों का संक्षिप्त परिचय दीजिये।

2. 'बूढ़ी काकी' कहानी की मूल संवेदना लिखिए। 12

अथवा

'उसने कहा था' कहानी का प्रतिपाद्य लिखिए।

3. 'सदाचार का ताबीज़' पाठ के मूल कथ्य पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'मेले का ऊंट' पाठ के मूल विचार का विश्लेषण कीजिये।

4. 'अंधेर नगरी' नाटक में वर्णित समस्या का वर्णन कीजिये। 12

अथवा

'बिबिया' पाठ में लेखिका ने समाज की किस समस्या की ओर इंगित किया है ? पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर विवेचन कीजिये।

5. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिये : 2×10

(क) अब दोनों जाते हैं। मेरे भाग! तुम्हें याद है एक दिन तांगे वाले का घोड़ा दही वाले की दूकान के पास बिगड़ गया था। तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाए थे। आप घोड़े की लातों में चले गए थे और मुझे उठा कर दुकानों के तख्ते पर खड़ा कर दिया था। ऐसे ही इन दोनों को बचाना। यह मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे मैं आँचल पसारती हूँ।

(ख) मुझे नहीं मालूम था कि मेरे राज्य में ऐसे चमत्कारी साधू भी हैं। महात्मन हम आपके बहुत आभारी हैं। आपने हमारा संकट हर लिया । हम सर्वव्यापी भ्रष्टाचार से बहुत परेशान थे। मगर हमें लाखों नहीं करोड़ों ताबीज़ चाहिए। हम राज्य की ओर से ताबीजों का एक कारखाना खोल देते हैं। आप उसके जनरल मैंनेजर बन जाएँ और अपनी देख-रेख में बढ़िया ताबीज़ बनवाएँ।

(ग) बात यह है कि कल कोतवाल को फांसी का हुक्म हुआ था। जब फांसी देने को उसको ले गए तो फांसी का फंदा बड़ा हुआ, क्योंकि कोतवाल साहब दुबले हैं। हम लोगों ने महाराज से अर्ज किया, इस पर हुकुम हुआ कि एक मोटा आदमी पकड़ कर फांसी दे दो क्योंकि बकरी मारने के अपराध में किसी-न-किसी को सजा होनी जरूर है, नहीं तो न्याय ना होगा। इसी वास्ते तुमको ले जाते हैं कि कोतवाल के बदले तुमको फांसी दें।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) कहानी के तत्व

(ख) नाटक का विकास

(ग) संस्मरण विधा।